*The Hans India*
*01 May, 2016*

# BDL and DRDO sign MoU for Quick Reaction Surface to Air Missile

Bharat Dynamics Limited (BDL) and Defence Research and Development Organization (DRDO) have signed a Memorandum of Understanding (MoU) for Joint Development and Production of the indigenous Quick Reaction Surface to Air Missile (QRSAM).

The missile will be designed and developed by DRDO and will be manufactured by BDL, the Ministry of Defence nominated Production Agency, for supply to the Indian Army.

The MoU was signed by Shri V. Udaya Bhaskar, CMD, BDL and Dr K. Jayaraman, Director, DRDL on 29 April 2016 at DRDL. Directors and Senior officials from BDL and DRDO were present on the occasion. QRSAM has an advanced RF seeker with multiple target handling capability. It is canister launched and has a range upto 30 kms.

*The Hindu*
*01 May, 2016*

# BDL, DRDO to produce missile

Bharat Dynamics Limited (BDL) and Defence Research and Development Organisation (DRDO) have signed a memorandum of understanding (MoU) for joint development and production of the indigenous Quick Reaction Surface-to-Air Missile (QRSAM).

The missile will be designed and developed by DRDO and will be manufactured by BDL, the Ministry of Defence nominated production agency, for supply to the Indian Army.

The MoU was signed by V. Udaya Bhaskar, BDL Chairman and Managing Director, and K. Jayaraman, Director of DRDL, on Friday at DRDL.

QRSAM has an advanced RF seeker with multiple target handling capability. It is canister launched and has a range up to 30 km, according to a DRDL press release.

www.dehradun.amarujala.com

देहरादून | रविवार | 1 मई 2016

# डीआरडीओ ने लगाई प्रदर्शनी

वॉर मेमोरियल के शिलान्यास समारोह में डीआरडीओ ने उपकरणों की प्रदर्शनी लगाई गई। सांसद तरुण विजय ने बताया कि डीआरडीओ की यह प्रदर्शनी मैक इन इंडिया के थीम पर है। संस्थान खुद की तकनीक से बनाए अत्याधुनिक सैन्य उपकरणों की प्रदर्शनी संसद में भी लगा रहा है, जिसके निर्देश रक्षा मंत्री ने दिए हैं। डीआरडीओ की आईआरडीई लैब के निदेशक डा. नेगी ने प्रयोगशाला के विभिन्न तरह की विकसित साइट्स (दूरबीन) के बारे में रक्षा मंत्री को अवगत करवाया।

*अमर उजाला*

*01 मई, 2016*

# वीरों की भूमि का सपना बनेगा हकीकत, वार मेमोरियल का हुआ भूमि पूजन

- स्मारक प्रदेश के वीर सपूतों को सच्ची श्रद्धांजलि: परिकर
- 1400 से अधिक शहीद सैनिकों को समर्पित है स्मारक
- रक्षा मंत्री परिकर ने पांच वीर नारियों को किया सम्मानित

वीरों की भूमि उत्तराखंड के सबसे बड़े सपने स्टेट वॉर मेमोरियल (शौर्य स्थल) ने आकार लेना शुरू कर दिया है। लंबे इंतजार के बाद रक्षा मंत्री मनोहर परिकर ने शनिवार को चीड़बाग में सेना की भूमि पर वॉर मेमोरियल के निर्माण के लिए भूमि पूजन किया। यह स्मारक देश पर प्राण न्यौछावर करने वाले प्रदेश के 14 सौ से अधिक शहीद सैनिकों को समर्पित है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह स्मारक शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि है। इस मौके पर परिकर ने पांच वीर नारियों को सम्मानित भी किया।

भूमि पूजन के लिए पहुंचे रक्षा मंत्री मनोहर परिकर का राज्य के पारंपरिक नृत्य व वाद्य यंत्रों की स्वरलहरियों के बीच स्वागत किया गया। रक्षा मंत्री ने कहा कि सांसद तरुण विजय व अन्य नेतागण काफी समय से युद्ध स्मारक की मांग उठा रहे थे। हमने तय किया था कि सारी प्रक्रिया पूर्ण करते चलेंगे, जिससे कोई व्यवधान न पैदा हो।

*अमर उजाला*

*01 मई, 2016*

# वार मेमोरियल के भूमि पूजन पर कांग्रेस नदारद

उत्तराखंड के शहीद सैनिकों के सम्मान में बनने वाला वार मेमोरियल पर भाजपा की सियासी चतुराई के आगे आखिरकार कांग्रेस चित हो गई।

रक्षा मंत्री मनोहर परिकर ने शनिवार को भाजपा के मैगा शो के बीच वार मेमोरियल की नींव उसी भूमि पर रखी, जिसे दिमाग में रखकर वर्ष 2009 में इसकी परिकल्पना हुई थी। चुनावी साल में भाजपा ने वर्षों से अटके मेमोरियल का सपना पूरा करके फौजियों के बीच अपना कद बढ़ाया है। वहीं कांग्रेस की चार वर्षों से चल रही कोशिशों पर पानी फेर दिया। शौर्य स्थल को भले सियासत से जोड़ने को सियासतदां उचित नहीं मानते, लेकिन सात बरसों में जो कुछ भी घटा उसमें सियासत ही सियासत नजर आई।

सरकारों में मेमोरियल के लिए रही प्रतिस्पर्धा के भले कई कारण हैं पर इनमें प्रमुख दस लाख का वोट बैंक है जो सीधे तौर पर सैन्य परिवारों से जुड़ा है। स्टेट वार मेमोरियल के निर्माण के लिए भूमि की तलाश वर्ष 2009 में तत्कालीन भाजपा सरकार के समय से शुरू हुई थी। चीड़ बाग में मेमोरियल बनाने से हुई शुरूआत तीन बरस में कई बार बदली। वर्ष 2012 में जब कांग्रेस को सत्ता मिली तो उन्होंने भाजपा से एक कदम आगे बढ़कर इसके निर्माण का बेड़ा उठाया।

पर कांग्रेस की राह का रोड़ा भूमि बन गई। तीन वर्ष तक इस मामले में प्रगति नहीं होने पर प्रदेश में दोनों पार्टियां इस मामले पर बराबरी में थीं। लेकिन पासा तब पलटा जब भाजपा सांसद तरुण विजय ने मुद्दा रक्षा मंत्रालय के समक्ष रखा। केंद्र की भाजपा ने बेहद चतुराई से मौके को लपका और चीड़ बाग स्थित जिस भूमि के लिए भाजपा-कांग्रेस कई बार प्रयास करती रही उसे रक्षा मंत्रालय सांसद की पहल पर देने को तैयार हो गया।

उधर, हरीश रावत सरकार ने 26 जुलाई को भूमि चिह्नकरण के लिए तीन सदस्यीय कमेटी बना दी। सैन्य भूमि हस्तांतरण के लिए लगने वाला लंबा समय कुछ महीनों में ही निपटा दिया गया। कांग्रेस पहले बैकफुट पर आई पर बाद उन्होंने अपने स्तर पर वार मेमोरियल निर्माण का नया वादा कर दिया। दो वॉर मेमोरियल बनाने तक की खींचतान चली, लेकिन आखिरकार चीड़ बाग में बनने वाले वार मेमोरियल पर भूमि फाइनल होने के बाद कांग्रेस बैकफुट पर आ गई। राज्य सरकार के भरसक प्रयासों के बीच केंद्र ने बाजी प्रदेश भाजपा के पाले में डाल दी। अब शौर्य स्थल की नींव रखी गई तो उसमें कांग्रेस नेताओं की गैर मौजूदगी ने सियासी चर्चाओं को और हवा दे दी है।

**स्मारक निर्माण पर अब तक हुई कोशिश**

- स्टेट वार मेमोरियल के लिए 2009 में सर्वप्रथम चीड़बाग सैन्य भूमि चयनित।
- रक्षा मंत्रालय से भूमि स्वीकृति का मामला दो वर्ष तक अधर में लटका रहा।
- वर्ष 2011 में सर्वे आफ इंडिया की चयनित 10.4 हेक्टेयर भूमि प्रस्ताव पर एनओसी नहीं मिली।
- वर्ष 2012 में ग्राम डांडा लखौड़ में 1.6 हैक्टेयर आवंटित भूमि उपयुक्त नहीं पाई गई।
- वर्ष 2013 में पुरानी जेल के पास चयनित भूमि का प्रस्ताव बाद में हुआ खारिज।
- वर्ष 2014 में गठित भूमि चयन समिति की सिफारिशों को किया खारिज।
- वर्ष 2015 में सीएम ने भूमि चयन के लिए नए सिरे से कमेटी बनाई।
- दिसंबर 2015 में चीड़ बाग में एक एकड़ भूमि छावनी परिषद को हस्तांतरित की गई।